पटना ही नहीं अब राजगीर और मधेपुरा में भी एलिवेटेड कॉरिडोर

भुवनेश्वर वात्स्यायन • पटना

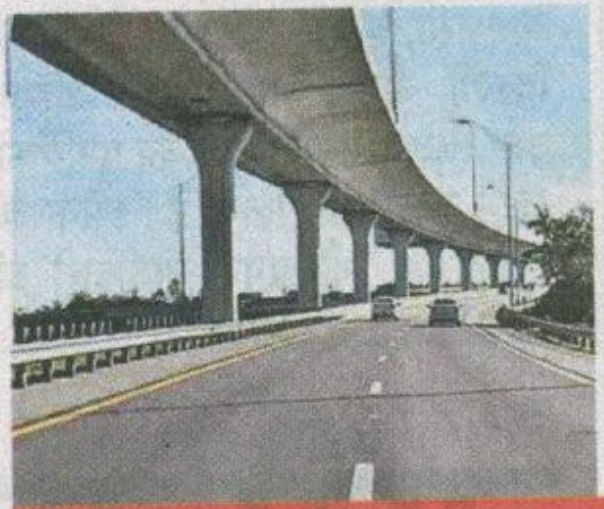

प्रस्ताव

- तीन नए शहरों में एलिवेटड रोड का प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया
- पहली बार 9222 करोड़ की योजना सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को
- अकेले एलिवेटेड कॉरिडोर की योजना 1500 करोड़ की

अब पटना ही नहीं सूबे के दूसरे शहरों में भी दिखेगी एलिवेटेड रोड। पथ निर्माण विभाग ने नए वित्तीय वर्ष के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को इस बारे में बड़े स्तर पर प्रस्ताव भेजे हैं। राजगीर और मधेपुरा सहित कई अन्य शहरों में भी ऐसी ही रोड दिखेगी। भागलपुर में सबौर इंजीनियरिंग कालेज के समीप अंडरपास बनाए जाने को डीपीआर के लिए इजाजत मांगी गई है।

इस तरह हैं एलिवेटेड कॉरिडोर बनाए जाने के प्रस्ताव : पटना के अनिसाबाद में 7 किमी लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण के लिए डीपीआर मद में राशि की मांग की गई है। वहीं राजगीर के भीतरी हिस्से में भी एक एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण का प्रस्ताव है। इसके डीपीआर के लिए राशि की व्यवस्था के बारे में भी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को लिखा गया है। राजगीर के भीतरी हिस्से में प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर की लंबाई 7.50 किमी होगी। मधेपुरा के सिंहेश्वर में 1.20 किमी लंबाई में एलिवेड कॉरिडोर बनाए जाने का प्रस्ताव है। बेगूसराय बाजार में भी एलिवेटेड सड़क का प्रस्ताव है।

एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण पर खर्च होने वाली राशि : पथ निर्माण विभाग के आकलन के अनुसार पटना के अनिसाबाद में जिस एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण प्रस्तावित है उस पर सात सौ करोड़ रुपए खर्च होंगे। राजगीर शहर के भीतर बनने वाले एलिवेटेड कॉरिडोर पर भी सात सौ करोड़ ही खर्च होंगे। वहां मधेपुरा के सिंहेश्वर में बनने वाले एलिवेटेड रोड पर 120 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

पहली बार 9222 करोड़ की कार्य योजना भेजी गई : यह पहला मौका है जब 9222 करोड़ रुपए की वृहत कार्ययोजना सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को मंजूरी के लिए पथ निर्माण विभाग ने भेजी है। पिछले वर्ष पथ निर्माण विभाग के एनएच डिवीजन ने 1400 करोड़ रुपए खर्च किए थे।